कच्ची कली

मेरा नां सोनल है, मेरी उंर १६ साल है और मेरी ये कहानी उनलोगो को समर्पित है जो मेरी जैसी कच्ची कलियोम को पसम्द करते हैम. ये बात उस वक्त की है जब मैम सिर्फ १३ साल कि थी और हं ंअहाराष्ट्र के जिल्हा रत्नागिरी मे रहते थे. मेरे पिताजी कोकन रेल्वे मे स्टेशन मास्तर थे और कुछ दिन पहले ही उनकी बदली गोवा के शहर मड.अगाम्व मे हुई थी. मेरी स्कुल की वजः से पापा को अकेले ही गोवा जाना पड.आ. मैम और मम्मी यहीम रत्नागिरी मे रह गये.

१३ साल की उंर मे लड.अकी सेक्स का अच्छा ज्ञान रखती है. मेरे मामा जी हमारे घर के पास ही रहते थे और मुझे पढ.आने आया करते थे. मुझे याद है मैम मामा को बार बार अपने छोटे छोटे स्कर्ट मे अपनी सेक्सी और प्यारी जान्घे दिखाया करती थी. मगर मामा शायद अपनी दिदी याने मेरी मम्मी से डरते थे इसलिये मुझे देखकर भी अन्देखा कर देते थे. कई कई बार मामा देर रात तक मुझे पढ.आया करते थे और मम्मी सो जाती थी. एक बार मामा मुझे का~म्प्युटर सिखा रहे थे तब उनके हाथ मेरे उठे हुए स्तन से टकरा गये, मेरी तो धड.अकनेम ऐसी बढ.ई के क्या बताऊम. बस तभी से जब भी मौका मिलता अपने छोटे छोटे स्तनोम को मामा से टकरा देती थी. मामा सब समझ रहे थे मगर कहते कुछ नही थे.

एक बार उन्होने मुझे का~म्प्युटर पे नम्गी तस्वीरेम देखते पकड.

लिया मगर मैम भी न घबराते हुए मामा से पुछ लिया "मामा क्या मज़ा आता है इन्हे ऐसा करने मे ?" मामा ने कुछ नही कहा और वहाम से चले गये मगर उस दिन के बाद उन्होने मुझे रात को का~म्प्युटर सिखाना बम्द कर दिया. ऐसे ही एक बार कुछ समझाते हुए ट्रा~म्क्टर की बात निकली तो मामा ने कहा के "ट्रा~म्क्टर से खेत की जुताई होती है" तो मैम्ने उन्हे छेड.अते हुए कहा "क्या कह रहे हो मामा, खेत की चुदाई होती है ?" तो मामा बिगड. गये और बोले "मैम्ने जुताई कहा है, चुदाई नही समझी.... और मैम्ने भी खेत जोते हैम" मैम्ने फिर कहा "क्या मामा ??? आपने खेत चोदे हैम ??? कैसी बातेम करते हैम आप ? मैम मम्मी को बोल दूम्गी के आप मुझ से ऐसी गम्दी बातेम करते हो.." मामा मेरी बातोम से ड.अर गये और पुछ लिया "सोनू तो आखिर चाहती क्या है ? "

मैम्ने उनका हाथ अपने हाथ मे लिया और झट से कहा "मामा ! आप ही बतायेम ना उस तस्वीर जैसा कुछ" मामा ने मेरे टी शर्ट मे कसे हुए स्तनोम को देखा और कहा "सोनू...तू तो काफी बड.ई हो गयी हो" मैम्ने उनसे पुछा "आपको कैसे पता ?" वो बोले "तुंहारे टी शर्ट से जवानी जो बाहर आने लगी है" मैम शर्मा गयी और थोड.आ घबरा भी गयी. फिर मैम्ने मामा से कहा "कुछ तो बताओ..". फिर मामा ने मुझे अपने गोदी मे उठाया और पलम्ग पर डाल दिया, उस वक्त रात के ११ बज रहे थे और घर पे हम दोनो ही थे. मम्मी पापा के पास गोवा गयी हुई थी और ४–५ दिनोम बाद ही लौटने वाली थी. मामा ने प्यार से मेरे स्तनोम को सहलाया, मेरी साम्से उखड.अने लगी मैम काफी घबरा गयी थी. मामा ने कहा

"आज तुंहे बता ही दूम कि ये (स्तन) क्योम इतना सर उठा रहे हैम...और क्योम तुंहारे कच्ची कली मे इतनी गुदगुदी हो रही है" मैम बोली "कच्ची कली ???" सच मे मैम समझ नही पायी थी. तो मामा ने प्यार से मेरे स्कर्ट मे कसी हुई मरमरी जान्घो पर हाथ फेरा और बोले "मेरी जान !! तुंहारे इन कसी हुई चिकनी चिकनी जान्घोम के बीचोम बीच क्या है...?? वही तो है कच्ची कली" मैम शर्मा गयी बस इतना ही बोल सकी "मामा" "मेरी जान.. यही तो तुंहारे मस्ती की वजह है ये तुंहे धीरे धीरे बड.आ बना रही है..." फिर मामा ने स्कर्ट के ऊपर से ही मेरे जान्घो को सहलाया और धीरे धीरे मेरे स्तनोम को सहलाने लगे... मुझ पर तो नशा सा छाने लगा था. पहली बार इतना मज़ा आ रहा था.

फिर मामा ने मेरे होम्टो को चुं लिया. ंउझे बड.आ मज़ा आया और मामा धीरे धीरे मेरे होम्टो को बुरी तरह से चुसने लगे मैम बुरी तरः बिखर सी गयी और मेरे नस नस मे एक सुरूर सा छाने लगा. मेरी चूत मे गुदगुदी सी होने लगी. मैम कहती रह गयी "ओ..मामा...ऊईईईईईई माँ....आआआआ" बस मामा ने मेरे ज.ओबन पे हाथ फेरा और लगे उन्हे दबाने...मुझे तो बस मज़ा ही मज़ा आ रहा था पता नही क्या क्या हो रहा था. ंआंआ ने आहिस्ता से मेरे टी शर्ट ऊपर कर दी और दूध जैसे सफेद गोरे जिस्म को देखकर बोले ":आय...सोनू..कैसी गोरी और चिकनी है मेरी जान...ऊ". मेरे चूत मे जैसे चिम्टीयाम रेमगने लगे और मेरी कच्ची चूत भीग सी गयी थी ऐसा लग रहा था जैसे चूत मे से कुछ बहने लगा हो. और मामा ज़ोरो से यहाम वहाम चुमने लगे और मेरे छोटी सी ब्रा के ऊपर से ही मेरे स्तनोम को चुमने लगे

उनके हाथ बराबर मेरे जान्घो को सहला रहे थे और फिर उन्होने मुझे उठा कर मेरी टी शर्ट उतार दी मेरी चिकनी पीठ और सिने को सहलाते रहे "मुझे क्या पता था तेरी टी शर्ट के अम्दर इतना गदराया बदन है...हाय सोनू...ऊम्म्म्म्मह....कैसी कसी हुयी हो यार" मैम्ने शरारत करते हुये कहा "ब्रा को हटा कर नही देखेम्गे ??" ंआमा ने मेरी छोटी सी ब्रा उतार दी और बोले "हाय मेरी लोलीपोप...तेरी ब्रा मे तो तबाही है तबाही...पहले इन दोनो को पी तो लूँ." और मामा ने धीरे से मेरे छोटे से स्तनोम को पहले चुमा और फिर चाटने लगे...उफ्फ्फ्फ ... मैम पग.अला सी गयी. शस्स्स्स्स..करते आहहहहहह ऊऊऊईईईईईईई करने लगी. फिर ंआंआ ने मेरे स्तनोम को मुम्ह मे भर लिया, मेरा एक स्तन पुरा उनके मुम्ह मे भर गया छोटा सा स्तन अपने मुम्ह मे लेकर ंआंआ ने चुसना शुरु किया मैम तो बस मज़े लेती रही फिर मामा ने मेरा दूसरा स्तन अपने मुम्ह मे भर के चुसने लगे.

"सोनू...तेरी जैसी छोटी सी उंर की लड.अकीयाम बड.ई फ्रेश होती है...जिनके स्तन छोटे हो और पुरा के पुरा मुमः मे आ जाते हो...बड.ई मस्त चीज़ हो यार...ऊम्म्म्म्म्म्म्मह..." मामा मेरे छोटे छोटे स्तनोम को चुसते चाटते जा रहे थे और मैम "मामा...ओहहह..आआआआ..ऊऊऊईईईईई..ंआँ....ओहह मम्मी.." करती जा रही थी. फिर मामा ने मेरे स्कर्ट को खिम्च लिया...उनकी आँखे चमक गयी स्कर्ट मे कसी हुई मेरी दूधीयाम चिकनी जान्घे बाहर आ गयी. मामा मेरी रेशमी चिकनी जान्घोम को ऐसा देखने लगे जैसे किसी रसगुल्ले को देख रहे हो. ंएरी नम्मी कसी हुई जान्घोम को बडे हौले सहला कर मामा बोले "कहाम छुपा कर रखा

था ये फूल दिदी ने....सोनू तू सच मे कमाल है" मामा मेरे जान्घोम को सहलाते रहे और उसे चुमते और चाटते रहे...साथ साथ वो मेरे स्तनोम को भी मस्सल देते.

फिर मामा ने मेरे प~म्न्टी को खिम्चा...मैम शर्मा कर अपनी जान्घोम को दबाने लगी मगर मामा ने मेरी प~म्न्टी उतार दी और मेरी छोटी सी चूत को देखकर बोले "हाय्य्य सोनू...क्या कच्ची कली है...एकदं फ्रेश माल है तू...ऊम्म्म्म्म्म्म मेरी जान" ऐसा कहते हुए मामा ने मेरी छोटी सी गुलाबी कली को छुआ...हाआआय.. आआआय.. मैम मचल उठी..मेरी चूत के पास दो चार सुनहरे बाल ही आये थे. मामा बोले "इसी मे तो सारी खुज.अली होती है तुंहे मेरी जान...तेरी इसी चूत ने तुंहे परेशान किया हुआ है...जैसे खेत को जोता था वैसे ही आज तेरी चूत को चोद दूम्गा मेरी जान.." ऐसा कहकर मामा मेरी चूत को सहलाने लगे और मेरी मस्ती भरी आहोम से मए लेने लगे.

मामा मेरी चूत को सहलाने लगे और मेरी जान्घोम को फैला कर मेरी छोटी सी कसी कसायी चूत को चूमने और चाटने लगे "ओहहह ंआह ंआ.. ये क्या कर्र रहे हो..मामा...??? आआआहह... ऊऊऊईईईई...ंआँ.....ओ.ओ.ह मम्मी..." मैम चिल्लाती रही और मामा मेरी कच्ची जवानी के रस को चूसते रहे. मैम सोचती रही मामा मेरी चुदाई कब करेम्गे..काफी देर तक मामा मेरी चूत को चाटते और चुसते रहे और मैम युम्ही चिल्लाती रही. फिर मामा ने मुझे छोड. दिया, मैम्ने आँखे खोलकर देखा तो मामा अपने कपड.ए उतार रहे थे. जब मैम्ने उनका लन्ड देखा तो मैम देखती हि रह

गयी. हाय्य्य इतना बड.आ लन्ड, हालाम्की मैम्ने इससे पहले तस्वीरोम मे बड.ए बड.ए लन्ड देखे थे मगर अपनी १३ साल की उंर मे पहली बार करीब से देखा था.

बडे धीरे से मामा ने मुझसे कहा "घबरा मत इसी से तेरी चूत की खुज.अली मिटेगी, मेरी सोनू.." और फिर मामा ने अपना लन्ड मुझे दे दिया मैम धीरे धीरे सहला कर उससे हिलमिल गयी. तब मामा ने उस लोहे के दम्डे को धीरे से मेरी मचलती हुई चिकनी चूत के मुम्ह पे रखा और धीरे धीरे मेरी चूत के मुम्ह पे रगड.अने लगे. ओह मेरे ंआँ मैम बता नही सकती कैसा लग रहा था वो जलता हुआ लोहे का दम्ड.आ मेरे चूत पे..ओहह..माआआआआह.."

मामा थोडी देर तक अपने लन्ड को मेरी चूत पे रगड.अते रहे फिर समझाते हुए बोले "सोनू शुरु मे थोड.आ दर्द होगा, बस्स थोड.आ सा सह लेना फिर उसके बाद तुंहे बस मज़ा ही मज़ा आयेगा."

मैम तो बस इम्तजार हि कर रही थी के कब मामा मेरी चुदाई शुरु कर देम बस...ंआमा ने धीरे धीरे अपना लन्ड मेरी चूत मे डाला. मुझे तो दिन मे तारे नज़र आ गये, मैम चिल्लाती रही "ंआमा निकाल दो प्लीज्ज्ज्ज्ज्ज्ज्ज... ओहह मामा दुख रहा है प्लीज्ज्ज्ज्ज्ज .". १३ साल की उंर ज्यादा नही होती इसलिये मेरी भी चूत बेहद टायट थी और छोटी भी. एकदम कसी कसायी तरोताज़ा चूत थी उस वक्त मेरी. ंआंआ मुझे समझाते रहे और कुछ ही देर मे सारा दर्द चला गया जो दर्द रह गया था उसमे मआ आ रहा था. फिर तो मैम खुद ही उचकने लगी ऐसा लगा कुछ खाली है

अम्दर इस लिये मैम मामा से बोली "मामा कुछ करो ना..." मामा बोले "क्या करूम ?? पहले बता तो क्या करूम ??" मैम बोली "चोदो मुझे..." "चुदाएम्गी सोनू..??" "हाम मामा" "फिर बोल सोनू... क्या करूम ??" "मैम फिर से बोली "चोदो मुझे मामा.....चोदो ना ऽऽऽऽऽऽऽ"

और फिर मामा ने मुझे चोदना शुरु कर दिया...ज़ोर ज़ोर से चुदाई चल पड.ई...ंआमा के लन्ड पे मेरी टायट चूत पुरी कसी हुई थी क्योम की मेरी छोटी सी चूत थी ही इतनी टायट की मामा का लन्ड पे पुरी टायट फिट हो गयी थी. ंआमा भी कहने लगे "सोनू बड.ई फिट चूत है तेरी एकदम फ्रेश कसी हुई चूत है" मैम भी अपने चूत की तारीफ सुनकर इतराते हुए मस्ती करने लगी. मैम मज़े ले लेकर मामा से चुदवाते जा रही थी और मामा अपनी १३ साल की कमसीन भान्जी को चोदे जा रहे थे. बीच बीच मे मामा मेरे स्तनोम को चूसते और बोलते "सोनू बड.ए कड.अक और नोकीले स्तन है तेरे....सोनू तुझे दर्द तो नही हो रहा" मुझे दर्द तो हो रहा था मगर वो बड.आ मज़ेदार था "मामा इसी दर्द मे मज़ा आ रहा है" "तुझे मज़ा आ रहा है सोनू" "हाम मामा..हाम बड.आ मज़ा आ रहा है...ओहहह आआआआय्य्य... ंआमा हुममम्मम आआहहहह" और न जाने क्या क्या "ऊऊऊऊईईईईई...माम्मा...ईईईई..ऊऊऊऊऊ" फिर एक बार तो मुझे ज़्यादा ही मज़ा आ गया और अचानक ही मैम सातवेम आसमान पर मैम मस्ती से लहराने लगी...और बस... मामा ने गरम गरम कुछ मेरी चूत मे डाल दिया, सब जैसे थम सा गया.

उफ्फ्फ क्या हो गया ज़रा सी देर मे... मैम सोचने लगी. क्या था

इस चुदाई मे पता नही.. लेकिन फिर भी इतना मआ...उफ्फ्फ . ंआंआ बड.ई देर तक अपना लन्ड मेरी चूत मे डाले पडे रहे, उनकी साम्से फूल गयी थी. बहोत हि थके हुये नज़र आ रहे थे. जब उन्होने अपना लन्ड बाहर निकाला तो वो लोहे का दम्डा रबर का हो गया था और मैम अचानक चौम्क गयी, क्योम की उनके लन्ड पूरा खून से लत पत था. मैम्ने मामा से कहा "मामा देखो... तुंहारे लन्ड से खून बह रहा है" ंआंआ हम्स पड.ए और बोले "सोनू, मेरी जान.. ये तुंहारा ही खून है" मैम घबरा गई और अपनी चूत को देखा तो सचमुच उसी मे से खून निकल रहा था, मैम डर गयी और ंआमा से पुछा "मामा तुं ने मेरी चूत फाड. दी... क्या कर दिया तुंअने ??" मामा ने मुझे समझाते हुए कहा "सोनू देखो.. हर लड.अकी के चूत के अम्दर एक पतला सा पर्दा होता है जिसे आम तौर पे सिल कहते हैम. जब कोई पहली बार चूत मे लन्ड डालता है तो लन्ड इस पर्दे से टकराता है और ये पर्दा फट जाता है और खून निकलता है. इस सिल के फटने पर ही लड.अकी औरत बन जाती है.. मेरी जान अब तुं लड.अकी नही रही औरत बन गयी हो"

मुझे ंआमा की बातेम कुछ कुछ समझ मे आ गयी. जहाम मेरी चाल बदल गयी थी और मेरे कमर मे दर्द था वहीम मेरा बदन हल्का हल्का महसूस हो रहा था और मज़ा भी बहोत आया था. उसके बाद मामा से मैम्ने ८-१० बार चुदाई का मज़ा लिया. फिर मेरी मम्मी गोवा से वापस आ गयी और ंआमा भी अपनी नौकरी के सिलसिले मे पूना चले गये... मामा के जाने का मुझे दुह्ख तो था मगर मोहन के आने के बाद मैम मामा को भी भूल गयी.

आप सोच रहे होम्गे ये मोहन कौन है ?? तो आपको बता दूम मोहन मेरे मौसेरा भाई है. मोहन के बारे मे कहानी और भी है मगर वो फिर कभी..... धन्यवाद ।।।"

...समाप्त...